Now-17/12/2021-16:25:17

लाल–किताब कुंडली

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

New Delhi

Contact - 9818193410,9350247058

।। नवग्रह स्तोत्रम् ।।

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम् ।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसन्निभम् ।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् ।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्त्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् ।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।।

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः ।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ।।
नरनारीनृपाणां च भवेद् दुःस्वप्ननाशनम् ।
ऐश्वर्यमतुलं तेषा मारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ।।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

ज्योतिषीय विवरण

जन्म वार :	17 December 2021 (Friday)
जन्म वेळ :	04:25:17PM
जन्म स्थळ :	Patna (bihar) , INDIA
रेखांश :	085:07:00E
अक्षांश :	025:36:00N
समयक्षेत्र:	-05:30:00 hrs
वेळ संस्कार:	00:00:00 hrs
जी.एम.टी. वेळ :	10:55:17 hrs
स्थानिक वेळ संस्कार :	00:10:28 hrs
स्थानिक वेळ :	16:35:45 hrs

सांपातिक काळ :	22:20:55 hrs
सूर्योदय :	06:31:56AM
सूर्यास्त :	04:59:14PM
अयनांश :	N.C.Lahiri (024:09:50)
विक्रम संवत-	**2078**
शक संवत-	**1943**
संवत्सर-	**प्लव**
संवत्सर स्वामी:	**पितर**

अवकहडा चक्र

लग्न :	वृषभ
लग्नस्वामी :	शुक्र
चंद्रराशी :	वृषभ
राशीस्वामी :	शुक्र
नक्षत्र :	रोहिणी
नक्षत्रस्वामी :	चंद्र
नक्षत्र चरण :	1
पाया :	सुवर्ण
ऋतु :	हेमंत
मास :	मार्गशीर्ष
पक्ष :	शुक्ल
तिथी :	चतुर्दशी
तिथी प्रकार :	रिक्ता
तिथी स्वामी :	शुक्र
करण :	गरज
करण प्रकार :	चर
करण स्वामी :	वासुदेव
गण :	मनुष्य
वर्ण :	वैश्य
योनी :	सर्प(पु)
सूर्य सिद्धांत योग :	साध्य
रज्जु :	कंट
वश्य:	चतुष्पाद
तत्त्व :	पृथ्वी
तत्त्वस्वमी :	बुध
नाडी पाद :	आद्य
नाडी :	अंत्य
विहग :	भारंधक
वेध :	स्वाती
नामाक्षर :	O

घात चक्र

राशी :	कन्या
मास :	मार्गशीर्ष
तिथी :	5,10,15
वार :	शनिवार
नक्षत्र :	हस्त
प्रहर :	4
लग्न :	वृषभ
सूर्य सिद्धांत योग :	सुकर्मा
करण :	शकुन

जन्म वारचा ग्रह -	**शुक्र**
जन्म वेळचा ग्रह -	**बुध**

Printed by - Mindsutra Software Technologies

लाल-किताब लग्न कुंडली

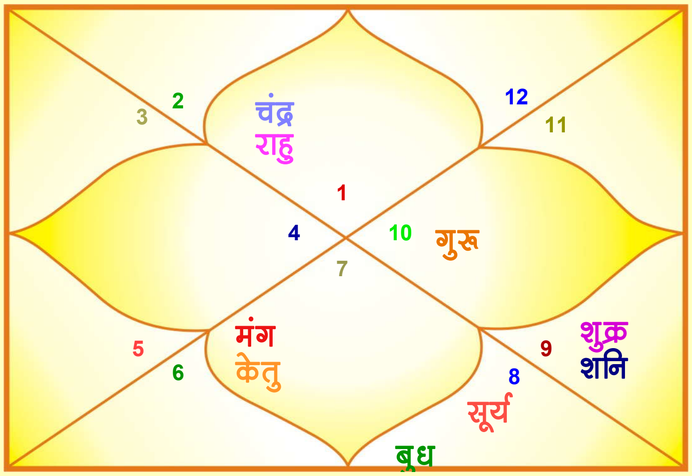

चंद्र कुंडली (लाल किताब)

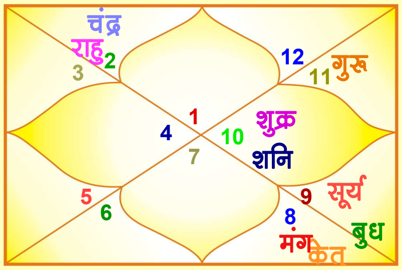

भाव चलित कुंडली

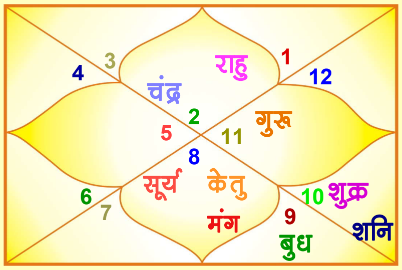

लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

ग्रह	भावस्थ	भावेश	प्रभाव	पक्के घर	भा0 का ग्रह	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	नेद्रिस्त	विशेष
रवी	अष्टम्	५	राशी				हॉ		हॉ	शुभ भावात
चंद्र	लग्न	४	राशी				हॉ			शुभ भावात
मंगळ	सप्तम्	१, ८	राशी			बुध			हॉ	शुभ भावात
बुध	अष्टम्	३, ६	राशी			मंगळ			हॉ	अशुभ भावात
गुरु	दशम्	९, १२	ग्रह			शनी			हॉ	अशुभ भावात
शुक्र	नवम्	२, ७	राशी						हॉ	अशुभ भावात
शनी	नवम्	१०, ११	ग्रह			गुरु	हॉ		हॉ	शुभ भावात
राहू	लग्न		राशी					हॉ		अशुभ भावात
केतु	सप्तम्		राशी						हॉ	अशुभ भावात

लाल किताब कुंडलीत भावांची (स्थान) स्थिती

भाव क्र.	भाव ग्रह	स्वामी	पक्के घर	नेद्रिस्त	उच्च	नीच	नशीब जागविणारा
1	चंद्र, राहू	मंगळ	रवी		रवी	शनी	मंगळ
2		शुक्र	गुरु		चंद्र		चंद्र
3		बुध	मंगळ	हॉ	राहू	केतु	बुध
4		चंद्र	चंद्र	हॉ	गुरु	मंगळ	चंद्र
5		रवी	गुरु	हॉ			रवी
6		बुध	बुध,केतु	हॉ	बुध,राहू	शुक्र,केतु	केतु
7	मंगळ, केतु	शुक्र	शुक्र,बुध		शनी		शुक्र
8	रवी, बुध	मंगळ	मंगळ,शनी			चंद्र	चंद्र
9	शुक्र, शनी	गुरु	गुरु		केतु	राहू	शनी
10	गुरु	शनी	शनी		मंगळ	गुरु	शनी
11		शनी	शनी	हॉ			गुरु
12		गुरु	गुरु		शुक्र,केतु	बुध,राहू	राहू

Printed by - Mindsutra Software Technologies

ग्रह स्थिती

ग्रह	राशी	रा.स्वामी	अंश	नक्षत्र चरण	न.स्वामी	कारक	विशेष	विशेष
AC लग्न	वृषभ	शुक्र	23:46:59	मृग-१	मंगळ	---	---	---
सूर्य	धनु	गुरू	01:33:17	मूळ-१	केतु	दारा	मित्रगृही	शुभ ग्रहा सोबत
चंद्र	वृषभ	शुक्र	12:49:32	रोहिणी-१	चंद्र	अमात्य	मूळत्रिकोण	पाप ग्रहा सोबत
मंगळ	वृश्चिक	मंगळ	08:40:13	अनुराधा-२	शनि	मातृ	स्वगृही	ग्रसित
बुध	धनु	गुरू	11:40:36	मूळ-४	केतु	भ्रातृ	शत्रुगृही	पाप ग्रहा सोबत
गुरू	कुंभ	शनि	03:43:29	धनिष्ठा-४	मंगळ	अपत्य	सम्मगृही	---
शुक्र	मकर	शनि	02:15:02	उत्तराषाढा-२	सूर्य	ज्ञाति	मित्रगृही	पाप ग्रहा सोबत
शनि	मकर	शनि	16:15:06	श्रवण-२	चंद्र	आत्म	स्वगृही	शुभ ग्रहा सोबत
राहु व	वृषभ	शुक्र	07:32:55	कृत्तिका-४	सूर्य	---	मित्रगृही	शुभ ग्रहा सोबत
केतु व	वृश्चिक	मंगळ	07:32:55	अनुराधा-२	शनि	---	मित्रगृही	पाप ग्रहा सोबत
इंद्र व	मेष	मंगळ	17:05:36	भरणी-२	शुक्र	---	---	---
वरूण	कुंभ	शनि	26:18:59	पूर्वाभाद्रपदा-२	गुरू	---	---	शुभ ग्रहा सोबत
रूद्र	मकर	शनि	01:19:31	उत्तराषाढा-२	सूर्य	---	---	शुभ ग्रहा सोबत

लग्न (जन्म) कुंडली

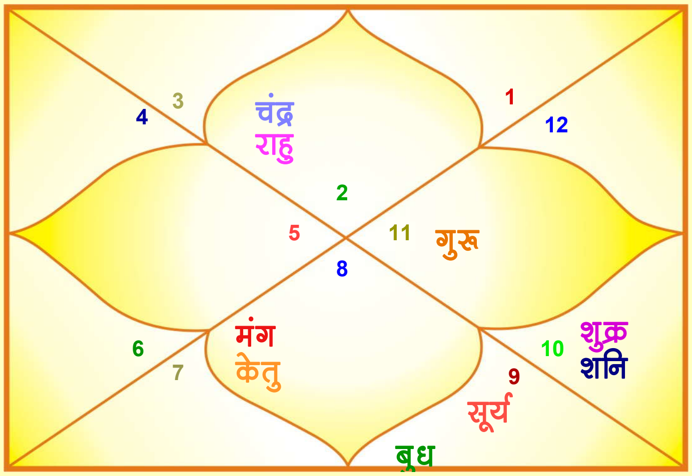

नवमांश कुंडली

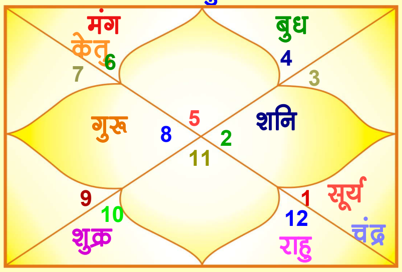

चंद्र कुंडली

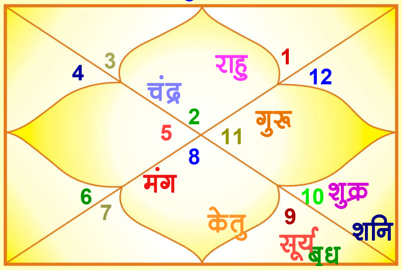

ग्रहापासून ग्रह आणि ग्रहापासून लग्नाचे अंतर

	ल.	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इंद्र	वरूण	रूद्र
ल.	---	188	349	165	198	250	218	232	344	164	323	273	218
सूर्य	172	---	161	337	10	62	31	45	156	336	136	85	30
चंद्र	11	199	---	176	209	261	229	243	355	175	334	283	228
मंगळ	195	23	184	---	33	85	54	68	179	359	158	108	53
बुध	162	350	151	327	---	52	21	35	146	326	125	75	20
गुरू	110	298	99	275	308	---	329	343	94	274	73	23	328
शुक्र	142	329	131	306	339	31	---	14	125	305	105	54	359
शनि	128	315	117	292	325	17	346	---	111	291	91	40	345
राहु	16	204	5	181	214	266	235	249	---	180	340	289	234
केतु	196	24	185	1	34	86	55	69	180	---	160	109	54
इंद्र	37	224	26	202	235	287	255	269	20	200	---	309	254
वरूण	87	275	77	252	285	337	306	320	71	251	51	---	305
रूद्र	142	330	132	307	340	32	1	15	126	306	106	55	---

0,1,359	युतीयोग	59,60,61,299,300,301	लाभ्योग	89,90,91,269,270,271	केंद्र्योग
119,120,121,239,240,241	नवपंचमयोग	149,150,151,209,210,211	षडाष्टकयोग	179,180,181	प्रतियोग

Printed by - Mindsutra Software Technologies

Now-17/12/2021-16:25:17 DOB-17:12:2021 TOB-04:25:17PM POB-Patna (bihar)

षोडश वर्ग

लग्न (जन्म) कुंडली

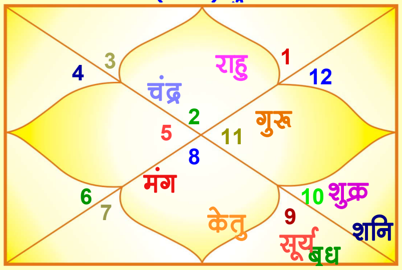

होरा कुंडली

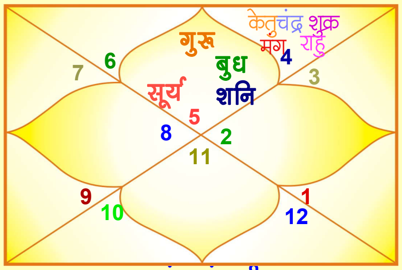

द्रेष्काण कुंडली

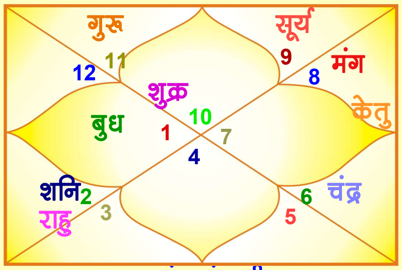

चतुर्थांश कुंडली

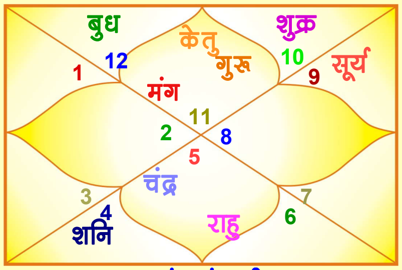

सप्तमांश कुंडली

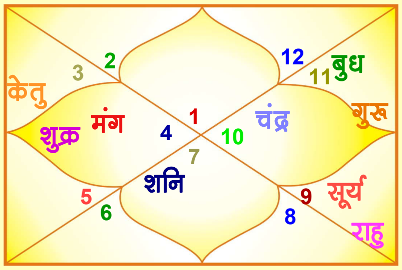

नवमांश कुंडली

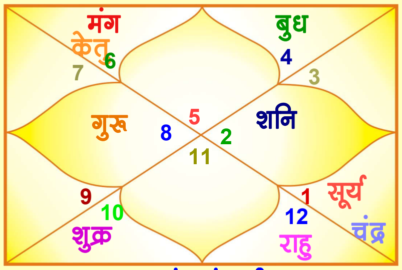

दशमांश कुंडली

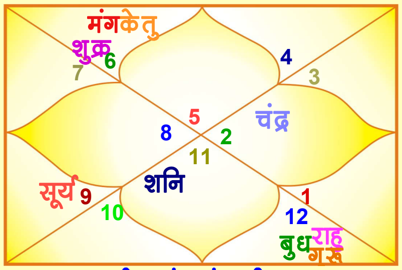

D1 मुख्य कुंडली, सर्व बाबींसाठी
D2 धन संप्पती करिता
D3 सहोदरांचे जीवन आणि स्वास्थ्य
D4 भाग्य आणि राहते घर
D7 संतति आणि नातवंडे
D9 जीवनसाथी आणि त्यांचे स्वास्थ्य
D10 कार्यक्षेत्र आणि कोणत्याही कामात यश
D12 आईवडिलांचे जीवन आणि स्वास्थ्य
D16 वाहनविषयक गोष्टी
D20 अध्यात्मिक कल
D24 शिक्षण, ज्ञान, आकलनता
D27 शक्ती आणि दुर्बलता
D30 दारिद्र्य, अडथळे आणि दुर्दशा
D40 शुभाशुभ घडामोडी
D45 सर्व बाबींसाठी
D60 सर्व बाबींसाठी

द्वादशांश कुंडली

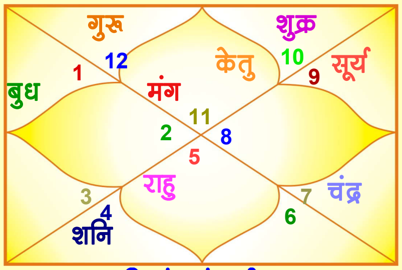

षोडशांश कुंडली

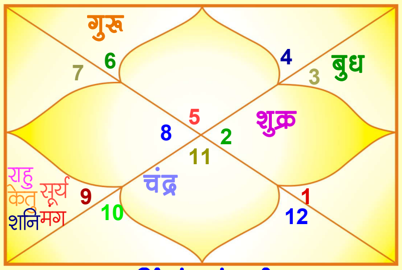

विंशांश कुंडली

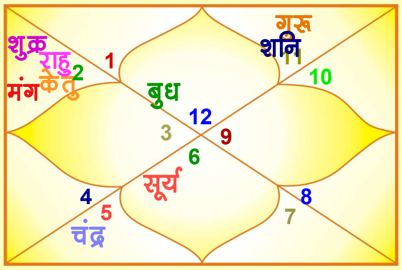

चतुर्विंशांश कुंडली

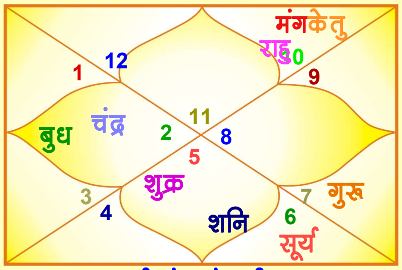

सप्तविंशांश कुंडली

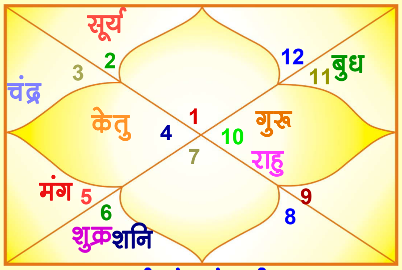

त्रिंशांश कुंडली

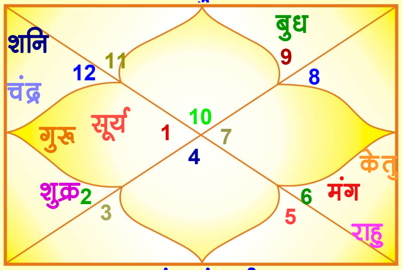

खवेदांश कुंडली

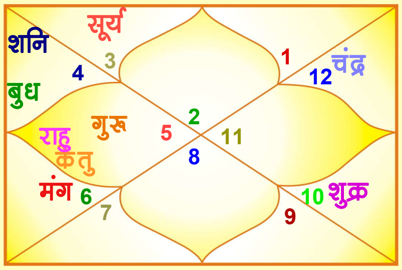

अक्षवेदांश कुंडली

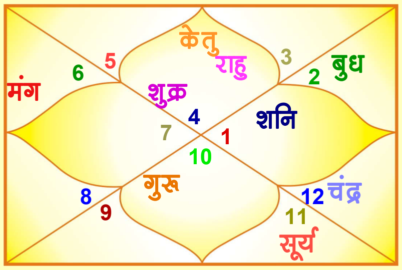

षष्ठांश कुंडली

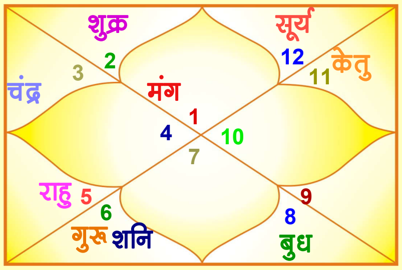

Printed by - Mindsutra Software Technologies

गोचर शनि

(शनि साडेसाती)

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

(गोचरीने जेव्हा शनि ग्रह जन्म चंद्रापासून बाराव्या, पहिल्या आणि दूसऱ्या भावावरून भ्रमण करतो, त्या (सुमारे साडे सात वर्षापर्यंतच्या) कालावधीलाच साडेसाती या नावाने ओळखले जाते.)

शनि साडेसातीचे प्रथम चक्र

साडेसाती चक्र	राशीमध्ये गोचर	आरंभ काळ	समाप्ति काळ	भ्रमण काळ (व-म-दि)	शनि मूर्ती
प्रथम अडिचकी	मेष	03:06:2027	20:10:2027	0 y.4 m.17 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून बारावे)	मेष	23:02:2028	08:08:2029	1 y.5 m.14 d.	
द्वितीय अडिचकी	वृषभ	08:08:2029	05:10:2029	0 y.1 m.27 d.	सुवर्ण
(जन्म चंद्रापासून पहिले)	वृषभ	17:04:2030	31:05:2032	2 y.1 m.14 d.	
तृतिय अडिचकी	मिथुन	31:05:2032	13:07:2034	2 y.1 m.12 d.	चांदी
(जन्म चंद्रापासून दूसरे)					
कंटक शनि	सिंह	27:08:2036	22:10:2038	2 y.1 m.25 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून चवथे)	सिंह	05:04:2039	13:07:2039	0 y.3 m.8 d.	
आठवा शनि	धनु	08:12:2046	06:03:2049	2 y.2 m.27 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून आठवे)	धनु	10:07:2049	04:12:2049	0 y.4 m.25 d.	

शनि साडेसातीचे द्वितीय चक्र

साडेसाती चक्र	राशीमध्ये गोचर	आरंभ काळ	समाप्ति काळ	भ्रमण काळ (व-म-दि)	शनि मूर्ती
प्रथम अडिचकी	मेष	07:04:2057	28:05:2059	2 y.1 m.20 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून बारावे)					
द्वितीय अडिचकी	वृषभ	28:05:2059	11:07:2061	2 y.1 m.13 d.	सुवर्ण
(जन्म चंद्रापासून पहिले)	वृषभ	13:02:2062	07:03:2062	0 y.0 m.22 d.	
तृतिय अडिचकी	मिथुन	11:07:2061	13:02:2062	0 y.7 m.4 d.	चांदी
(जन्म चंद्रापासून दूसरे)	मिथुन	07:03:2062	24:08:2063	1 y.5 m.18 d.	
कंटक शनि	सिंह	13:10:2065	03:02:2066	0 y.3 m.21 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून चवथे)	सिंह	03:07:2066	30:08:2068	2 y.1 m.28 d.	
आठवा शनि	धनु	16:01:2076	11:07:2076	0 y.5 m.24 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून आठवे)	धनु	11:10:2076	15:01:2079	2 y.3 m.4 d.	

शनि साडेसातीचे तृतीय चक्र

साडेसाती चक्र	राशीमध्ये गोचर	आरंभ काळ	समाप्ति काळ	भ्रमण काळ (व-म-दि)	शनि मूर्ती
प्रथम अडिचकी	मेष	21:05:2086	10:11:2086	0 y.5 m.21 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून बारावे)	मेष	08:02:2087	18:07:2088	1 y.5 m.8 d.	
द्वितीय अडिचकी	वृषभ	18:07:2088	31:10:2088	0 y.3 m.13 d.	सुवर्ण
(जन्म चंद्रापासून पहिले)	वृषभ	05:04:2089	19:09:2090	1 y.5 m.15 d.	
तृतिय अडिचकी	मिथुन	19:09:2090	25:10:2090	0 y.1 m.6 d.	चांदी
(जन्म चंद्रापासून दूसरे)	मिथुन	21:05:2091	02:07:2093	2 y.1 m.11 d.	
कंटक शनि	सिंह	18:08:2095	11:10:2097	2 y.1 m.23 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून चवथे)	सिंह	02:05:2098	20:06:2098	0 y.1 m.18 d.	
आठवा शनि	धनु	29:11:2105	25:02:2108	2 y.2 m.27 d.	तांबे
(जन्म चंद्रापासून आठवे)	धनु	29:07:2108	23:11:2108	0 y.3 m.25 d.	

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

जन्मवेळी विंशोत्तरी भोग्य दशा (चंद्र : ७ व.१० म.१७ दि.)

क.स.	ग्रह दशा		अवधी	पासून ---------पर्यंत
१	☽	चंद्र दशा	7 y.10 m.17 d.	17:12:2021 --- 04:11:2029
२	♂	मंगळ दशा	7 y.0 m.0 d.	04:11:2029 --- 04:11:2036
३	☊	राहु दशा	18 y.0 m.0 d.	04:11:2036 --- 04:11:2054
४	♃	गुरू दशा	16 y.0 m.0 d.	04:11:2054 --- 04:11:2070
५	♄	शनि दशा	19 y.0 m.0 d.	04:11:2070 --- 04:11:2089
६	☿	बुध दशा	17 y.0 m.0 d.	04:11:2089 --- 04:11:2106
७	☋	केतु दशा	7 y.0 m.0 d.	04:11:2106 --- 04:11:2113
८	♀	शुक्र दशा	20 y.0 m.0 d.	04:11:2113 --- 04:11:2133
९	☉	सूर्य दशा	6 y.0 m.0 d.	04:11:2133 --- 04:11:2139

विंशोत्तरी अंतरदशा

चंद्र दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
चंद्र	
मंगळ	
राहु	17:12:2021 - 04:10:2022
गुरू	04:10:2022 - 03:02:2024
शनि	03:02:2024 - 04:09:2025
बुध	04:09:2025 - 03:02:2027
केतु	03:02:2027 - 04:09:2027
शुक्र	04:09:2027 - 05:05:2029
सूर्य	05:05:2029 - 04:11:2029

मंगळ दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
मंगळ	04:11:2029 - 02:04:2030
राहु	02:04:2030 - 20:04:2031
गुरू	20:04:2031 - 26:03:2032
शनि	26:03:2032 - 05:05:2033
बुध	05:05:2033 - 02:05:2034
केतु	02:05:2034 - 28:09:2034
शुक्र	28:09:2034 - 28:11:2035
सूर्य	28:11:2035 - 04:04:2036
चंद्र	04:04:2036 - 04:11:2036

राहु दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
राहु	04:11:2036 - 17:07:2039
गुरू	17:07:2039 - 10:12:2041
शनि	10:12:2041 - 16:10:2044
बुध	16:10:2044 - 05:05:2047
केतु	05:05:2047 - 23:05:2048
शुक्र	23:05:2048 - 24:05:2051
सूर्य	24:05:2051 - 16:04:2052
चंद्र	16:04:2052 - 17:10:2053
मंगळ	17:10:2053 - 04:11:2054

गुरू दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
गुरू	04:11:2054 - 22:12:2056
शनि	22:12:2056 - 05:07:2059
बुध	05:07:2059 - 10:10:2061
केतु	10:10:2061 - 16:09:2062
शुक्र	16:09:2062 - 17:05:2065
सूर्य	17:05:2065 - 05:03:2066
चंद्र	05:03:2066 - 05:07:2067
मंगळ	05:07:2067 - 10:06:2068
राहु	10:06:2068 - 04:11:2070

शनि दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
शनि	04:11:2070 - 07:11:2073
बुध	07:11:2073 - 17:07:2076
केतु	17:07:2076 - 26:08:2077
शुक्र	26:08:2077 - 25:10:2080
सूर्य	25:10:2080 - 07:10:2081
चंद्र	07:10:2081 - 08:05:2083
मंगळ	08:05:2083 - 16:06:2084
राहु	16:06:2084 - 23:04:2087
गुरू	23:04:2087 - 04:11:2089

बुध दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
बुध	04:11:2089 - 01:04:2092
केतु	01:04:2092 - 30:03:2093
शुक्र	30:03:2093 - 28:01:2096
सूर्य	28:01:2096 - 04:12:2096
चंद्र	04:12:2096 - 05:05:2098
मंगळ	05:05:2098 - 02:05:2099
राहु	02:05:2099 - 19:11:2101
गुरू	19:11:2101 - 24:02:2104
शनि	24:02:2104 - 04:11:2106

केतु दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
केतु	04:11:2106 - 02:04:2107
शुक्र	02:04:2107 - 01:06:2108
सूर्य	01:06:2108 - 07:10:2108
चंद्र	07:10:2108 - 08:05:2109
मंगळ	08:05:2109 - 04:10:2109
राहु	04:10:2109 - 23:10:2110
गुरू	23:10:2110 - 28:09:2111
शनि	28:09:2111 - 07:11:2112
बुध	07:11:2112 - 04:11:2113

शुक्र दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
शुक्र	04:11:2113 - 05:03:2117
सूर्य	05:03:2117 - 05:03:2118
चंद्र	05:03:2118 - 04:11:2119
मंगळ	04:11:2119 - 04:01:2121
राहु	04:01:2121 - 04:01:2124
गुरू	04:01:2124 - 04:09:2126
शनि	04:09:2126 - 04:11:2129
बुध	04:11:2129 - 04:09:2132
केतु	04:09:2132 - 04:11:2133

सूर्य दशा

अंतरदशा	पासून----पर्यंत
सूर्य	04:11:2133 - 21:02:2134
चंद्र	21:02:2134 - 23:08:2134
मंगळ	23:08:2134 - 29:12:2134
राहु	29:12:2134 - 22:11:2135
गुरू	22:11:2135 - 10:09:2136
शनि	10:09:2136 - 23:08:2137
बुध	23:08:2137 - 29:06:2138
केतु	29:06:2138 - 04:11:2138
शुक्र	04:11:2138 - 04:11:2139

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

चंद्र दशा (१७:१२:२०२१ -- ०४:११:२०२१)

प्रत्यंतर	पासून ---

प्रत्यंतर	पासून ---

राहु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
बुध	17:12:2021
केतु	18:02:2022
शुक्र	22:03:2022
सूर्य	21:06:2022
चंद्र	19:07:2022
मंगळ	02:09:2022

गुरू अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
गुरू	04:10:2022
शनि	08:12:2022
बुध	23:02:2023
केतु	03:05:2023
शुक्र	01:06:2023
सूर्य	21:08:2023
चंद्र	14:09:2023
मंगळ	25:10:2023
राहु	22:11:2023

शनि अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शनि	03:02:2024
बुध	05:05:2024
केतु	26:07:2024
शुक्र	29:08:2024
सूर्य	03:12:2024
चंद्र	01:01:2025
मंगळ	18:02:2025
राहु	24:03:2025
गुरू	19:06:2025

बुध अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
बुध	04:09:2025
केतु	16:11:2025
शुक्र	16:12:2025
सूर्य	13:03:2026
चंद्र	07:04:2026
मंगळ	20:05:2026
राहु	20:06:2026
गुरू	05:09:2026
शनि	13:11:2026

केतु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
केतु	03:02:2027
शुक्र	15:02:2027
सूर्य	23:03:2027
चंद्र	03:04:2027
मंगळ	20:04:2027
राहु	03:05:2027
गुरू	04:06:2027
शनि	02:07:2027
बुध	05:08:2027

शुक्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शुक्र	04:09:2027
सूर्य	14:12:2027
चंद्र	14:01:2028
मंगळ	05:03:2028
राहु	09:04:2028
गुरू	10:07:2028
शनि	29:09:2028
बुध	04:01:2029
केतु	31:03:2029

सूर्य अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
सूर्य	05:05:2029
चंद्र	14:05:2029
मंगळ	30:05:2029
राहु	09:06:2029
गुरू	07:07:2029
शनि	31:07:2029
बुध	29:08:2029
केतु	24:09:2029
शुक्र	04:10:2029

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

मंगळ दशा (०४:११:२०२१ -- ०४:११:२०३६)

मंगळ अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
मंगळ	04:11:2029
राहु	12:11:2029
गुरू	05:12:2029
शनि	25:12:2029
बुध	17:01:2030
केतु	07:02:2030
शुक्र	16:02:2030
सूर्य	13:03:2030
चंद्र	20:03:2030

राहु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
राहु	02:04:2030
गुरू	29:05:2030
शनि	19:07:2030
बुध	18:09:2030
केतु	11:11:2030
शुक्र	04:12:2030
सूर्य	06:02:2031
चंद्र	25:02:2031
मंगळ	29:03:2031

गुरू अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
गुरू	20:04:2031
शनि	04:06:2031
बुध	28:07:2031
केतु	15:09:2031
शुक्र	05:10:2031
सूर्य	30:11:2031
चंद्र	17:12:2031
मंगळ	15:01:2032
राहु	04:02:2032

शनि अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शनि	26:03:2032
बुध	29:05:2032
केतु	26:07:2032
शुक्र	18:08:2032
सूर्य	25:10:2032
चंद्र	14:11:2032
मंगळ	18:12:2032
राहु	11:01:2033
गुरू	12:03:2033

बुध अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
बुध	05:05:2033
केतु	26:06:2033
शुक्र	17:07:2033
सूर्य	15:09:2033
चंद्र	03:10:2033
मंगळ	02:11:2033
राहु	23:11:2033
गुरू	17:01:2034
शनि	06:03:2034

केतु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
केतु	02:05:2034
शुक्र	11:05:2034
सूर्य	05:06:2034
चंद्र	12:06:2034
मंगळ	25:06:2034
राहु	03:07:2034
गुरू	26:07:2034
शनि	15:08:2034
बुध	07:09:2034

शुक्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शुक्र	28:09:2034
सूर्य	08:12:2034
चंद्र	30:12:2034
मंगळ	03:02:2035
राहु	28:02:2035
गुरू	03:05:2035
शनि	28:06:2035
बुध	04:09:2035
केतु	03:11:2035

सूर्य अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
सूर्य	28:11:2035
चंद्र	04:12:2035
मंगळ	15:12:2035
राहु	23:12:2035
गुरू	11:01:2036
शनि	28:01:2036
बुध	17:02:2036
केतु	06:03:2036
शुक्र	14:03:2036

चंद्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
चंद्र	04:04:2036
मंगळ	22:04:2036
राहु	04:05:2036
गुरू	05:06:2036
शनि	04:07:2036
बुध	07:08:2036
केतु	06:09:2036
शुक्र	18:09:2036
सूर्य	24:10:2036

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

राहु दशा (०४:११:२०३६ -- ०४:११:२०५४)

राहु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
राहु	04:11:2036
गुरू	01:04:2037
शनि	10:08:2037
बुध	13:01:2038
केतु	02:06:2038
शुक्र	29:07:2038
सूर्य	09:01:2039
चंद्र	28:02:2039
मंगळ	21:05:2039

गुरू अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
गुरू	17:07:2039
शनि	11:11:2039
बुध	29:03:2040
केतु	31:07:2040
शुक्र	21:09:2040
सूर्य	14:02:2041
चंद्र	30:03:2041
मंगळ	11:06:2041
राहु	01:08:2041

शनि अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शनि	10:12:2041
बुध	24:05:2042
केतु	18:10:2042
शुक्र	18:12:2042
सूर्य	09:06:2043
चंद्र	31:07:2043
मंगळ	26:10:2043
राहु	26:12:2043
गुरू	30:05:2044

बुध अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
बुध	16:10:2044
केतु	25:02:2045
शुक्र	21:04:2045
सूर्य	23:09:2045
चंद्र	08:11:2045
मंगळ	25:01:2046
राहु	20:03:2046
गुरू	07:08:2046
शनि	09:12:2046

केतु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
केतु	05:05:2047
शुक्र	28:05:2047
सूर्य	30:07:2047
चंद्र	19:08:2047
मंगळ	20:09:2047
राहु	12:10:2047
गुरू	08:12:2047
शनि	29:01:2048
बुध	29:03:2048

शुक्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शुक्र	23:05:2048
सूर्य	22:11:2048
चंद्र	16:01:2049
मंगळ	17:04:2049
राहु	20:06:2049
गुरू	01:12:2049
शनि	26:04:2050
बुध	17:10:2050
केतु	21:03:2051

सूर्य अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
सूर्य	24:05:2051
चंद्र	09:06:2051
मंगळ	06:07:2051
राहु	25:07:2051
गुरू	13:09:2051
शनि	27:10:2051
बुध	18:12:2051
केतु	02:02:2052
शुक्र	21:02:2052

चंद्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
चंद्र	16:04:2052
मंगळ	01:06:2052
राहु	03:07:2052
गुरू	23:09:2052
शनि	06:12:2052
बुध	02:03:2053
केतु	19:05:2053
शुक्र	20:06:2053
सूर्य	19:09:2053

मंगळ अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
मंगळ	17:10:2053
राहु	08:11:2053
गुरू	04:01:2054
शनि	24:02:2054
बुध	26:04:2054
केतु	19:06:2054
शुक्र	12:07:2054
सूर्य	14:09:2054
चंद्र	03:10:2054

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

केतु दशा (०४:११:२१०६ -- ०४:११:२११३)

केतु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
केतु	04:11:2106
शुक्र	12:11:2106
सूर्य	07:12:2106
चंद्र	15:12:2106
मंगळ	27:12:2106
राहु	05:01:2107
गुरू	27:01:2107
शनि	16:02:2107
बुध	12:03:2107

शुक्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शुक्र	02:04:2107
सूर्य	12:06:2107
चंद्र	03:07:2107
मंगळ	08:08:2107
राहु	01:09:2107
गुरू	04:11:2107
शनि	31:12:2107
बुध	08:03:2108
केतु	07:05:2108

सूर्य अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
सूर्य	01:06:2108
चंद्र	07:06:2108
मंगळ	18:06:2108
राहु	26:06:2108
गुरू	15:07:2108
शनि	01:08:2108
बुध	21:08:2108
केतु	08:09:2108
शुक्र	16:09:2108

चंद्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
चंद्र	07:10:2108
मंगळ	25:10:2108
राहु	06:11:2108
गुरू	08:12:2108
शनि	06:01:2109
बुध	09:02:2109
केतु	11:03:2109
शुक्र	23:03:2109
सूर्य	28:04:2109

मंगळ अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
मंगळ	08:05:2109
राहु	17:05:2109
गुरू	08:06:2109
शनि	28:06:2109
बुध	22:07:2109
केतु	12:08:2109
शुक्र	21:08:2109
सूर्य	14:09:2109
चंद्र	22:09:2109

राहु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
राहु	04:10:2109
गुरू	01:12:2109
शनि	21:01:2110
बुध	23:03:2110
केतु	16:05:2110
शुक्र	07:06:2110
सूर्य	10:08:2110
चंद्र	29:08:2110
मंगळ	30:09:2110

गुरू अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
गुरू	23:10:2110
शनि	07:12:2110
बुध	30:01:2111
केतु	19:03:2111
शुक्र	08:04:2111
सूर्य	04:06:2111
चंद्र	21:06:2111
मंगळ	19:07:2111
राहु	08:08:2111

शनि अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शनि	28:09:2111
बुध	01:12:2111
केतु	28:01:2112
शुक्र	20:02:2112
सूर्य	28:04:2112
चंद्र	18:05:2112
मंगळ	21:06:2112
राहु	15:07:2112
गुरू	14:09:2112

बुध अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
बुध	07:11:2112
केतु	28:12:2112
शुक्र	18:01:2113
सूर्य	20:03:2113
चंद्र	07:04:2113
मंगळ	07:05:2113
राहु	28:05:2113
गुरू	21:07:2113
शनि	07:09:2113

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

शुक्र दशा (०४:११:२११३ -- ०४:११:२१३३)

शुक्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शुक्र	04:11:2113
सूर्य	26:05:2114
चंद्र	25:07:2114
मंगळ	04:11:2114
राहु	14:01:2115
गुरू	15:07:2115
शनि	24:12:2115
बुध	05:07:2116
केतु	24:12:2116

सूर्य अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
सूर्य	05:03:2117
चंद्र	24:03:2117
मंगळ	23:04:2117
राहु	14:05:2117
गुरू	08:07:2117
शनि	26:08:2117
बुध	23:10:2117
केतु	13:12:2117
शुक्र	04:01:2118

चंद्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
चंद्र	05:03:2118
मंगळ	25:04:2118
राहु	31:05:2118
गुरू	30:08:2118
शनि	19:11:2118
बुध	23:02:2119
केतु	20:05:2119
शुक्र	25:06:2119
सूर्य	04:10:2119

मंगळ अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
मंगळ	04:11:2119
राहु	29:11:2119
गुरू	01:02:2120
शनि	28:03:2120
बुध	04:06:2120
केतु	04:08:2120
शुक्र	29:08:2120
सूर्य	08:11:2120
चंद्र	29:11:2120

राहु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
राहु	04:01:2121
गुरू	17:06:2121
शनि	10:11:2121
बुध	02:05:2122
केतु	04:10:2122
शुक्र	07:12:2122
सूर्य	08:06:2123
चंद्र	01:08:2123
मंगळ	01:11:2123

गुरू अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
गुरू	04:01:2124
शनि	13:05:2124
बुध	14:10:2124
केतु	01:03:2125
शुक्र	27:04:2125
सूर्य	06:10:2125
चंद्र	24:11:2125
मंगळ	13:02:2126
राहु	11:04:2126

शनि अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शनि	04:09:2126
बुध	06:03:2127
केतु	17:08:2127
शुक्र	23:10:2127
सूर्य	03:05:2128
चंद्र	30:06:2128
मंगळ	05:10:2128
राहु	11:12:2128
गुरू	03:06:2129

बुध अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
बुध	04:11:2129
केतु	30:03:2130
शुक्र	30:05:2130
सूर्य	18:11:2130
चंद्र	09:01:2131
मंगळ	05:04:2131
राहु	04:06:2131
गुरू	06:11:2131
शनि	23:03:2132

केतु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
केतु	04:09:2132
शुक्र	29:09:2132
सूर्य	09:12:2132
चंद्र	30:12:2132
मंगळ	04:02:2133
राहु	28:02:2133
गुरू	03:05:2133
शनि	29:06:2133
बुध	04:09:2133

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

सूर्य दशा (०४:११:२१३३ -- ०४:११:२१३९)

सूर्य अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
सूर्य	04:11:2133
चंद्र	09:11:2133
मंगळ	18:11:2133
राहु	25:11:2133
गुरू	11:12:2133
शनि	26:12:2133
बुध	12:01:2134
केतु	28:01:2134
शुक्र	03:02:2134

चंद्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
चंद्र	21:02:2134
मंगळ	08:03:2134
राहु	19:03:2134
गुरू	15:04:2134
शनि	10:05:2134
बुध	08:06:2134
केतु	04:07:2134
शुक्र	14:07:2134
सूर्य	14:08:2134

मंगळ अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
मंगळ	23:08:2134
राहु	30:08:2134
गुरू	18:09:2134
शनि	05:10:2134
बुध	26:10:2134
केतु	13:11:2134
शुक्र	20:11:2134
सूर्य	11:12:2134
चंद्र	18:12:2134

राहु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
राहु	29:12:2134
गुरू	16:02:2135
शनि	01:04:2135
बुध	23:05:2135
केतु	08:07:2135
शुक्र	27:07:2135
सूर्य	20:09:2135
चंद्र	06:10:2135
मंगळ	03:11:2135

गुरू अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
गुरू	22:11:2135
शनि	31:12:2135
बुध	15:02:2136
केतु	28:03:2136
शुक्र	14:04:2136
सूर्य	02:06:2136
चंद्र	16:06:2136
मंगळ	11:07:2136
राहु	28:07:2136

शनि अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शनि	10:09:2136
बुध	04:11:2136
केतु	23:12:2136
शुक्र	12:01:2137
सूर्य	11:03:2137
चंद्र	28:03:2137
मंगळ	26:04:2137
राहु	17:05:2137
गुरू	08:07:2137

बुध अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
बुध	23:08:2137
केतु	06:10:2137
शुक्र	24:10:2137
सूर्य	15:12:2137
चंद्र	30:12:2137
मंगळ	25:01:2138
राहु	12:02:2138
गुरू	31:03:2138
शनि	11:05:2138

केतु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
केतु	29:06:2138
शुक्र	06:07:2138
सूर्य	28:07:2138
चंद्र	03:08:2138
मंगळ	14:08:2138
राहु	21:08:2138
गुरू	09:09:2138
शनि	26:09:2138
बुध	17:10:2138

शुक्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून ---
शुक्र	04:11:2138
सूर्य	04:01:2139
चंद्र	22:01:2139
मंगळ	21:02:2139
राहु	15:03:2139
गुरू	08:05:2139
शनि	26:06:2139
बुध	23:08:2139
केतु	13:10:2139

Printed by - Mindsutra Software Technologies

ग्रहफळ – लाल किताब

आपल्या कुंडलीत रवी अष्टम स्थानी आहे. आपण अत्यंत रागीट स्वभावाचे असाल. आपण प्रामाणीक आणि विनम्र असाल. आपण प्रामाणीकपणा आणि परिश्रम यांच्या जोडीने जीवनात प्रगती कराल. आपण प्रत्येक काम करण्याचा प्रयत्न कराल. आपण धैर्यवान असू शकणार नाही.आपण दीर्घायुषी असाल. जर आपण आपल्या बहिणीबरोबर तिच्या पतीच्या घरी निवास करीत असाल आणि तिथे आपण चोरी केली नाही तर आपणास त्याचे चांगले परिणाम प्राप्त होतील. आपण भाग्यवान असाल. आपल्या समोर कोणाचा मृत्यु होणार नाही. जर आपण एखाद्या आजारी व्यक्तीजवळ बसलात तरी त्याचे आरोग्य ठीक होईल. सर्वसाधारणपणे आपले जीवन सुखी आणि आनंदी असेल. कधी कधी आपणास अपमान सहन करावा लागेल. आपल्या धनाचा इतर लोक उपभोग घेतील. आपला स्वभाव साधुसारखा असेल. आपण आपल्या कार्यालामानवाच्या कल्याणासाठी समर्पित करण्याचा प्रयत्न कराल.

आपण जर स्त्रीयांशी भांडण केले, आपल्या सासरच्या लोकांसाठी समस्या उत्पन्न केल्या, दगाबाजी केली आणि चोरी करण्याचा प्रयत्न केलात तर, आपल्या घराचे मुख्य प्रवेशद्वार दक्षिणेस असेल तर आपला रवी बलहीन होऊ शकतो. जर आपला रवी काही कारणाने बलहीनझाला तर आपणास गुप्त आजार होण्याची शक्यता आहे. आपली आर्थिक स्थिती

कुमकुवत होऊ शकते. सरकारी बाबीत आपणास समस्यांचा सामना करावा लागेल. आपली नजर क्षीण होऊ शकते. आपले जर परस्त्रीशी अनैतिक संबंध असतील तर त्यात धोका होण्याची शक्यता आहे. आपल्या वाईट मित्राच्या संगतीने आपले जीवन खराब होऊ शकते. विषारी प्राण्यांपासून सावधगिरी बाळगावी. ते आपल्या मृत्युस कारणीभूत ठरु शकतात. आपणासपाठदुखीचा त्रास होण्याची शक्यता आहे. आपले आर्थिक नुकसान होण्याची शक्यता आहे.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

1– स्वयंपाकगृहाची पवित्रता नेहमी राखा.

2– परस्त्रीयांशी अनैतिक संबंध प्रस्थापीत करु नये.

उपाय

1– गाय किंवा मोठ्या भावाची सेवा करावी.

2– पाण्यात साखर मिसळून सूर्यास अर्ध्य द्यावे.

आपल्या कुंडलीत चंद्र प्रथम स्थानी आहे. आपला जन्म नवसाने झाला असेल किंवा आपला जन्म एक किंवा दोन बहीणींच्या जन्मानंतर झाला असेल. आपले व्यक्तीमत्व सर्वांना आकर्षीत करणारे असेल. आपणास पांढरे वस्त्र परिधान करणे आवडेल. आपला स्वभाव नम्र आणि शांत असेल. आपण सुंदर असाल. आपण विद्वान असाल आणि आपले अनेक भाषांवर प्रभुत्व असेल. आपणास वडिलोपार्जीत संपत्ती प्राप्त होईल. आपल्या घरी पैशाची कधीच कमतरता भासणार नाही व आपण संपन्न असाल. जर आपला विवाह 28 व्या वर्षी झाला तर आपले संपूर्ण जीवन सुखी होईल. आपणास एखाद्या व्यक्तीचे धन किंवा संपत्ती प्राप्त होईल ज्यामुळे आपण धनवान बनाल. जोपर्यंत आपली आई जिवंत आहे तोर्प्यंत आपणास धनाची कमतरता जाणवणार नाही. आपण दीर्घायुषी असाल. आपणास सरकारी सन्मान प्राप्त होईल. आपल्या जन्मानंतर आपल्या वडीलांची आर्थिक स्थिती सुधारेल. आपल्या वडीलांना व्यवसायात आर्थिक लाभ होईल आणि त्याचे जीवनात शुभ परिणाम होतील. जर आपण 24 ते 27 या वर्षी प्रवासास गेला असाल तर आल्यानंतर आपल्या आईचा आशीर्वाद घ्यावा. याने आपली आई दीर्घायु होईल. आपण वयाच्या24 च्या अगोदर घर बांधू नये. आपली वृध्दावस्था सुखमयी जाईल.

आपण जर 24 व्या वर्षाच्या अगोदर घर बांधाल, 28 पूर्वी विवाह केलात, आपल्या आया सोबत भांडण केले किंवा गाईला त्रास दिला तर आपला चंद्र बलहीन होऊ शकतो. काही कारणाने आपला चंद्र बलहीन झाला असेल तर आपण पाण्याम बुडू शकता. आपणास मानसिक शांती मिळू शकणार नाही आणि आपण नेहमी चिंतीत रहाल. आपणास मानसिक रोग होण्याची शक्यता आहे. आपले आरोग्य उत्तम राहणार नाही. आपणास नेत्र आणि हृदयासंबंधी विकार होतील. आपणास पुत्र सुख प्राप्त होणार नाही.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

1– आपल्या आईबरोबर किंवा वृध्द स्त्रीयांबरोबर भांडण करु नये.

2– आपण नैतिक मार्गापासून विचलीत होण्याचे टाळावे.

उपाय

1– चांदीच्या ग्लासमध्ये पाणी किंवा दूध प्यावे.

2– पिंपळाच्या वृक्षाला पाणी घालावे.

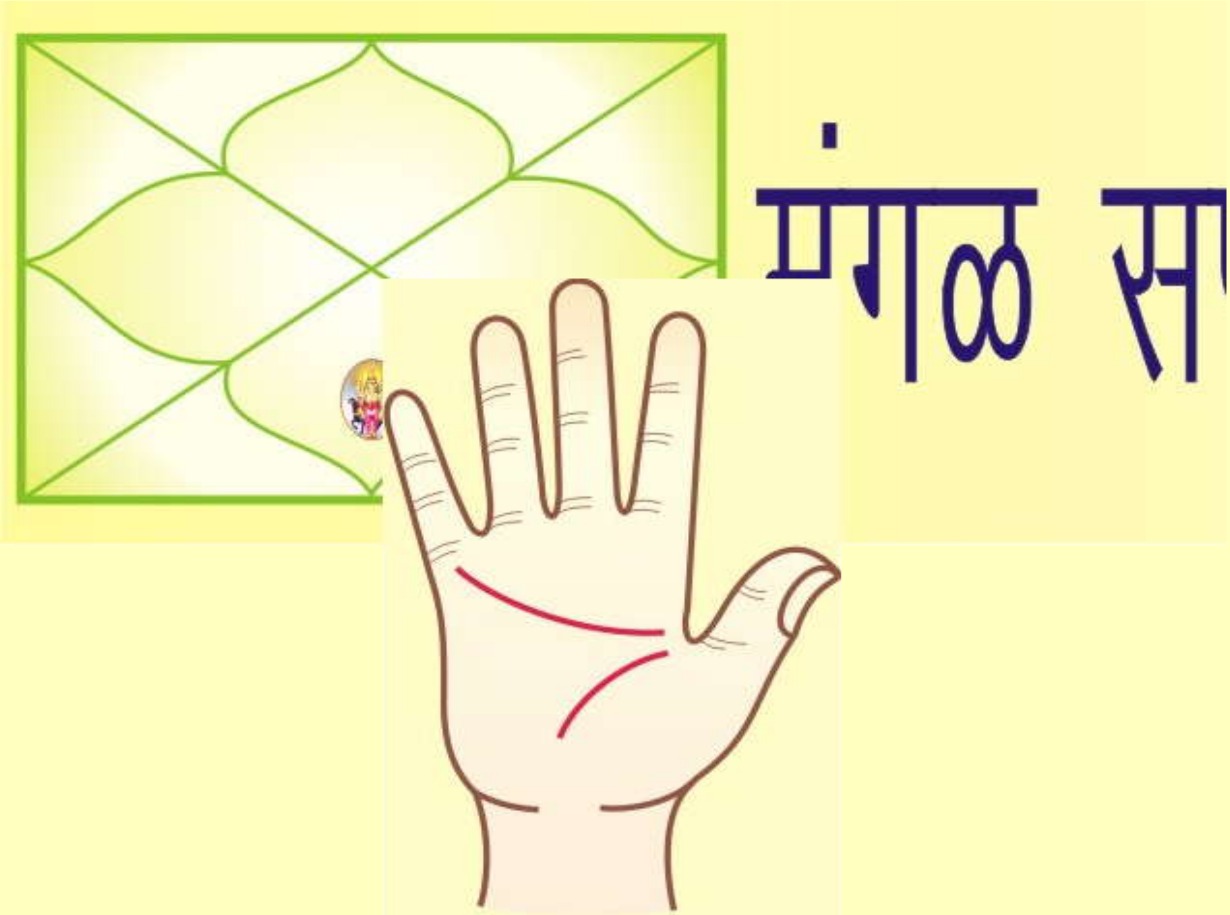

आपल्या कुंडलीत मंगळ सप्तम स्थानी आहे. आपणास सर्व प्रकारची सुखे प्राप्त होतील आणि आपले जीवन राजसी थाटाचे असेल. आपले भाऊ आपली मदत करतील आणि आपणास त्याचालाभ होईल. आपली मुले प्रगती करतील. आपले वैवाहीक जीवन आनंदी असेल आणि आपल्या जोडीदाराचे संपूर्ण सुख आपणास मिळेल. आपल्या कुटुंबातील व्यक्ती आपली मदत करतील. आपण सज्जन, दयाळू आणि परोपकारी असाल. आपण गरजू आणि दुःखी लोंकांना

सहकार्य कराल. आपण इतरांना आनंद प्रदान कराल. आपण न्यायप्रिय असाल आणि आपणास प्रसिध्दी आणि यश प्राप्त होईल. आपण न्यायाधीश किंवा संरपंच होऊ शकता किंवा आपणास याप्रकारचे अधिकार मिळू शकतात. त्यामुळे आपणास सत्याचा शोध लावून आपणास न्याय द्यावा लागेल. आपणास ज्योतिष्यशास्त्राची आवड असेल. आपण जर सरकारी नोकरी करीत असाल तर आपला बढती होईल. आपण जे काही प्राप्त करण्याची इच्छा करता ते आपणास कमीत कमी एकदा तरी मिळते. आपण आपल्या कुटुंबाचे संरक्षण कराल आणि कुटुंबातील सदस्यांची जबाबदारी घ्याल.

आपण जर लोकांबरोबर भांडण कराल, परस्त्रीयांशी अनैतिक संबंध ठेवाल, मुलीचे वडील असालतर आपला मंगळ बलहीन होऊ शकतो. काही कारणाने आपला मंगळ बलहीन झाला तरआपण आपली विधवा बहीण, आत्या किंवा मेहूणी बरोबर राहू नये. आपले परस्त्रीयांशी अनैतिक संबंध असतील तर आपण दीर्घायुषी होणार नाही. आपणास रक्तासंबंधी विकार होण्याची शक्यता आहे.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

1– आपले आचरण शुध्द ठेवावे.

2– जमीनीवर पसरुण वाढणारे रोपटे लावू नये.

उपाय

1– बहीण आणि मुलीस मिठाई द्यावी.

2– भाचा आणि भाचीची सेवा करावी.

आपल्या कुंडलीत बुध अष्टम स्थानी आहे. आपणास कठिण परिश्रम करावे लागतील. आपणासगूढ शास्त्राची आवड असेल व त्याचे ज्ञान असेल. 34 वर्षानंतर आपला कालावधी उत्तम जाईल. आपणास सरकारी सन्मान प्राप्त होईल. आपल्या सासरकडूल आपणास लाभ होईल.

आपले जर परस्त्रीयांशी अनैतिक संबंध असतील, आपल्या घरात लाल, गुलाबी वापरात नसलेलेकपडे किंवा मातीची भांडी किंवा तुटलेली शिडी असेल तर आपला बुध बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला बुध बलहीन झाला तर आपल्या धनाचा विनाश होऊ शकतो. आपणास वाईट काळ येण्याची शक्यता आहे. आपली एखाद्या अज्ञात कारणामुळे बरबादी होऊ शकते. आपणास बुध्दीमान लोकांबरोबर काम करावे लागेल अन्यथा आपणास तुरुंगवास होऊ शकतो. आपण रुग्णालयात किंवा एकांतात जाऊ शकता. आपणास आपल्या व्यवसायात अचानक अडचणींचा सामना करावा लागेल.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

1– आपल्या घरी लाल, गुलाबी रंगाचे कपडे ठेऊ नये.

2– घरातील पूजेचे स्थान बदलू नये.

उपाय

Printed by - Mindsutra Software Technologies

1– घराच्या छतावर पावसाचे पाणी ठेवावे.

2– काळ्या रंगाचे अंतर्वस्त्र घालावे.

आपल्या कुंडलीत गुरु दशम स्थानी आहे. आपणास आपल्या जीवनात एकट्यानेच संघर्ष करावा लागेल. आपण आपल्या शूरपणामुळे यश संपादन कराल. आपण सोने, चांदी आणि कपड्यासंबंधी व्यवसाय किंवा दलाली करीत असाल तर त्यात आपणास अधिक प्रमाणात धन आणि यश प्राप्त होईल. 29 व्या वर्षापासून आपणास सुख मिळण्यास सुरुवात होईल. आपल्या वडिलांचे आपणास आवश्यकतेपेक्षा कमी प्रमाणात सहकार्य मिळेल. आपणास शिल्पकलेच्या संबंधीत कामात अधिक धन प्राप्त होईल. आपली धर्मावर आस्था असेल आणि आपण कल्याणकारी कार्य कराल. आपले वैवाहिक जीवन सर्वसाधारण असेल. आपल्या आर्थिक परिस्थितीमध्ये सुधारणा होईल. सरकारी विभागाच्या संदर्भात केलेल्या प्रवासामुळे आपणास अधिक धन प्राप्त होईल. परदेशी प्रवासामुळेही आपणास अधिक लाभ प्राप्त होईल.

आपण जर आपले शिक्षण पूर्ण केले नाही, शेखचिल्ली प्रमाणे स्वप्न बघत असाल, आपल्या घरीकिंवा घराजवळ पिंपळाचे वाळलेले झाड असेल तर आपला गुरु बलहीन होऊ शकतो. काहीकारणाने आपला गुरु बलहीन झाला असेल तर आपण चारित्र्यहीन स्त्रीयांबरोबर रहाल आणि दुःखी व्हाल. आपल्या मुलांबरोबर आपले संबंध चांगले असणार नाही. आगीमुळे आपले

नुकसान होण्याची शक्यता आहे. आपल्या वयाच्या 36 व्या वर्षानंतर आपण जर मंदिरात जाल आणि तेथे प्रार्थना कराल तर आपणास त्याचा लाभ होईल. आपण आपले चारित्र्य पवित्र ठेवलेपाहीजे आणि चोरीच्या कार्यात सहभागी होऊ नये.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

1– सोने विकू नये.

2– सोनेरी किंवा पिवळ्या रंगाचे कपडे परिधान करु नये.

उपाय

1– साधु आणि गुरुची सेवा करावी.

2– पिंपळाच्या वृक्षाला पाणी द्यावे.

3– रोज 43 दिवस तांब्याचे नाणे वाहत्या पाण्यात प्रवाहीत करावे.

आपल्या कुंडलीत शुक्र नवम स्थानी आहे. आपण खूप भाग्यवान असू शकणार नाही. वयाच्या 25 व्या वर्षानंतर आपला कालखंड चांगला असेल. त्यामुळे आपण नंतर विवाह करावा. आपण धनवान बनू शकता परंतु आपणास आपली उपजिवीका चालविण्यासाठी कष्ट करावे लागतील. तीर्थस्थळांची यात्रा केल्यास आपणास लाभ होईल. आपण बुध्दीमान आणि धनवान असाल. आपली मानसिक आणि इच्छा शक्ती अत्यंत प्रबळ असेल. त्याचा प्रभाव आपल्या आर्थिक स्थितीवर पडेल. आपणास नोकरांचे सुख प्राप्त होईल.

आपण जर 25 व्या वर्षानंतर विवाह केला, अल्पवयात अंमली पदार्थांचे सेवन केले, आपल्या घरी अॅल्युमिनीयमची भांडी असली तर आपला शुक्र बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला शुक्र बलहीन झाला असेल तर आपणास अडचणींचा सामना करावा लागेल. आपणास जोडीदारासंबंधी आणि धनासंबंधी समस्यांचा सामना करावा लागेल. आपले आरोग्य ठीक राहू शकणार नाही. नशेच्या सवयीमुळे आपणास रोग होऊ शकतो. आपणास गुप्तांगाचा विकार होऊ शकतो. आपल्या भावामुळे आणि नातेवाईकामुळे आपले आर्थिक नुकसान होऊ शकते. आपण इतरांवर विश्वास ठेऊन आर्थिक देवाण घेवाण केली तर नुकसान होऊ शकते. आपणासशेतीच्या कामात चांगला लाभ मिळू शकणार नाही. आपणास आणि आपल्या जोडीदारास समस्यांचा सामना करावा लागेल. आपण धन संचय करु शकणार नाही.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

1— 25 व्या वर्षाच्या अगोदर विवाह करु

नये.

2— ॲल्यूमिनीयमची भांडी वापरु नयेत.

उपाय

1— आपण जर नवीन घर बांधले तर चांदीच्या भांड्यात मध भरुन पायाभरणीत ठेवावे.

2— चांदीच्या बांगड्यांना लाल रंगाने रंगवून आपल्या पत्नीस डाव्या हातात घालण्यास द्याव्यात.

आपल्या कुंडलीत शनी नवम स्थानी आहे. आपण परोपकारी असाल आणि लोकांची मदत कराल. त्यामुळे आपला लाभ होईल. आपल्याजवळ खूप संपत्ती असेल. आपला संबंध कुलवान आणि मोठ्या कुटुंबाशी असेल. आपण आपला भावाच्या आणि मित्राच्या सहकार्यामुळे धनवान बनाल. आपण खूप संपत्ती जमा कराल. फिरस्तीची कामे आपल्यासाठी लाभदायक ठरतील. आपणास संततीसुख लाभेल परंतु त्यात विलंब होऊ शकतो. आपली पत्नी सधन कुटुंबातील असेल. ती भाग्यवान असेल. आपण आपल्या धनाची पर्वा करणार नाही. आपण दयाळू आणि

नेहमी आनंदी रहाल. आपल्यावर कर्जाचा बोजा कधी असणार नाही. आपणास आई वडिलांचे सुख प्राप्त होईल. आपण विद्वान बनाल. आपण आपल्या आई वडिलांपेक्षा अधिक भाग्यवान असाल. तीर्थयात्रेमुळे आपणास शुभ लाभ होईल आणि आपले भाग्य चमकेल. आपण धार्मिक बनाल.

आपण जर इतरांचे धन हडप करण्याचा प्रयत्न केला, वाईट काम केले, आपल्या नावावर तीन घरे घ्याल, लोखंड किंवा मशिनरीच्या संदर्भात काम केले किंवा आपल्या घरी शीशमचा वृक्ष असेल तर आपला शनी बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला शनी बलहीन झाला असेल तर आपणास दमा किंवा फुफुसासंबंधी विकार होऊ शकतो. आपणास संततीसुख मिळणार नाही किंवा आपणास पुत्र किंवा नातु होणार नाही. आपणास सावकारीमध्ये नुकसान होऊ शकते. वाईट कृत्यामुळे आपली बदनामी होऊ शकते. आपली नजर कमजोर होऊ शकते. आपण श्रीमंताची लूटमार करुन गरीबात धन वाटाल. आपल्यामध्ये बदल्याची भावना उत्पन्न होऊ शकते.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

1– इतरांचे धन हडप करु नये.

2– आपल्या घराच्या छतावर इंधन, लाकडे इत्यादि ठेऊ नये.

उपाय

1– कपाळावर केशराचा टिळा लावावा.

2– आपल्या घराच्या शेवटी अंधारी खोली बांधावी.

आपल्या कुंडलीत राहू प्रथम स्थानी आहे. आपण धनवान आणि उत्तम प्रशासक असाल.आपण जर सरकारी नोकरी करीत असाल तर आपणास खूप सन्मान मिळतील. आपले आजोळचे लोकआपल्या जन्मानंतर अधिक धनवान होतील. आपला जन्म रुग्णालय किंवा आपल्या आजोळी होईल. आपल्या जन्माच्या वेळी आकाशात ढग जमा झालेले असतील. आपणास आपल्या 42 व्या वर्षानंतर चांगले आणि शुभ परिणाम प्राप्त होतील. आपल्या कमाईची साधने एकापेक्षा अधिक असतील. जर आपला एखादा व्यवसाय बंद पडला तर दूसरा सुरु होईल. आपण धनवान बनाल. आपण अधिक बडबड करु नये. ते आपल्यासाठी चांगले नाही. आपण बेईमान किंवा धोकेबाज होऊ शकता. आपल्या जीवनात अनेक प्रकारची परिवर्तने येतील जे आपल्या आईसाठी आणि आपल्या मानसिक शांततेसाठी चांगले असणार नाही.

आपण जर आपल्या सासरकडून लोखंड, वीजेची उपकरणे, काळे निळे कपडे विना मोबदला घेतले, अंगणात धूर केला, आपल्या बटव्यात मांजरीची वार ठेवली तर आपला राहू बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला राहू बलहीन झाला असेल तर आपणास आपल्या कामात अडथळ्यांचा सामना करावा लागेल. आपली प्रगती मंद रितीने होऊ शकते आणि परिवर्तन अधिक प्रमाणात होतील. आपल्या वयाचे 11 वे, 21 वे आणि 42 वे वर्ष आपल्या वडिलांसाठी चांगले असणार नाही. आपल्या कुटुंबातील एखाद्या व्यक्तीस दमा किंवा मिरगी रोगहोऊ शकतो. आपण खोडसाळ आणि बिनकामाचे होऊ शकता. आपली देवावर श्रध्दा असू शकणार नाही.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

Printed by - Mindsutra Software Technologies

1– अंगणात धूर करु नये.

2– ढेरी वाढवू नये.

उपाय

1– धार्मिक स्थळी गुळ आणि गहू वाटावे.

2– दूधाने स्नान करावे.

आपल्या कुंडलीत केतु सप्तम स्थानी आहे. आपण आपल्या वयाच्या 24 व्या वर्षापासून धन कमविण्यास सुरुवात कराल. आपल्या वयाप्रमाणे आपल्या धनाची वृध्दी होईल.आपण आपल्या व्यवसायातून उत्तम कमाई कराल. आपली संतती स्वस्थ आणि दणकट असेल. आपण आपल्या वचनांचे पक्के असाल. आपण समृध्द आणि आनंदी असाल. आपल्या संततीची संख्या आपल्या जोडीदाराच्या भावंडाएवढी असेल. आपणास 34 व्या वर्षापर्यंत अडचणींचा सामना करावा लागेलपरंतु त्यानंतर आपणास शुभ परिणाम प्राप्त होतील. आपण धन संचय कराल. आपण कधी निराश होणार नाही. आपले शत्रु आपणास हानी पोहचवू शकणार नाही आणि आपण

त्यांना पराभूत कराल.

आपण जर लिखाणचे काम केले, खोटे वचन दिले, परस्त्रीयांशी अनैतिक संबंध प्रस्थापित केले, आपल्या जोडीदाराबरोबर भांडण केले तर आपला केतु बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला केतु बलहीन झाला असेल तर आपल्या आजोळची परिस्थिती 7 वर्षे वाईट राहू शकते आणि आपल्या 34 व्या वर्षानंतर त्यांना संकटोचा सामना करावा लागू शकतो. एखाद्या खोट्या वचनामुळे आपली अधोगती होऊ शकते. आपण जर वचनांची पूर्तता केली नाही तर आपले नुकसान होऊ शकते. आपणास शारिरीक कष्टांचा सामना करावा लागू शकतो किंवा आपण आजारी पडण्याची शक्यता आहे. आपल्या संततीवर वाईट प्रभाव पडू शकतो. आपण आपल्या पत्नी आणि संततीमुळे व्यस्त राहू शकता. आपण कटुवचनी असाल. आपल्या अहंकारामुहे आपणबरबाद होऊ शकता.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना

दक्षता :

1– परस्त्रीयांबरोबर अनैतिक संबंध ठेऊ नये.

2– क्वदश्ज कव उनबी ूतपजपदह ूवता ूपजी चमदण

उपाय

1– सलग 4 दिवस 4 केळी पाण्यात प्रवाहीत कराव्यात.

2– सलग 4 दिवस 4 लिंबू पाण्यात प्रवाहीत करावेत.

अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा)

लाल किताब नुसार कुंडलीत दशम स्थानी एकमेकांचे शत्रू असलेले दोन ग्रह स्थित असतील तर अशा कुंडलीला अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा) असे म्हणतात. दशम भाव म्हणजे जातकाचे कर्मस्थान. या स्थानाचा जातकाच्या उत्त्पन्नाशीदेखील संबंध आहे. त्यामुळे या स्थानी दोन किंवाअधिक परस्पर शत्रू ग्रह स्थित असतील तर जातकाच्या कर्मक्षेत्रामध्ये समतोल ढासळतो. जातकाच्या नोकरी–व्यवसायात स्थैर्य नसते. दशम भावातील अंध असलेल्या ग्रहांचा दोष घालविण्याकरिता दहा अंध व्यक्तिंना अन्नदान (भोजन) करावे.

निष्कर्ष : आपल्या कुंडलीत अंध ग्रहांचा टेवा नाही.

Printed by - Mindsutra Software Technologies

अर्धांध (रातांधळ्या) ग्रहांची कुंडली (टेवा)

लाल किताबनुसार चतुर्थ भावामध्ये सूर्य आणि सप्तम भावामध्ये शनि स्थित असलेल्या कुंडलीलाअर्ध अंध ग्रहांची कुंडली म्हणतात. या ग्रहस्थितीचा जातकाच्या मानसिक स्थितीवर तसेच व्यावसायिक जीवनावरही अशुभ परिणाम होतो. जातकाच्या मानसिक शांतीमध्ये प्रचंड कमतरता येऊ शकते. चतुर्थ स्थान हे कौटुंबिक सुखाचेही कारक आहे त्यामुळे कौटुंबिक सुखाचा अभाव किंवा त्याविषयी असमाधान असण्याची शक्यता बळावते.

निष्कर्ष : ही कुंडली अर्ध अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा) नाही.

Printed by - Mindsutra Software Technologies

धार्मिक टेवा (कुंडली)

लाल किताबनुसार कुंडलीत गुरूसोबत शनि स्थित असेल तर अशा कुंडलीला धर्मी कुंडली असेम्हणतात. या जातकाला आयुष्यात उलथापालथ होण्याइतपत शक्यतो कोणत्याही मोठ्या समस्या येत नाहीत. अगदीच अटितटीच्या प्रसंगी यांना कुठूनतरी दैवी मदत प्राप्त होते.

निष्कर्ष : ही कुंडली धर्मी कुंडली (टेवा) नाही.

नाबालिग कुंडली (टेवा)

लाल किताबनुसार कुंडलीतील प्रथम, चतुर्थ, सप्तम आणि दशम अर्थात केंद्रस्थानी बुधाशिवाय कोणताही शुभ ग्रह नसेल तर अशी कुंडली नाबालिग टेवा (कुंडली) समजली जाते. अशा स्थितीत जातकाचे नशीब वयाच्या बाराव्या वर्षापर्यंत संदिग्ध असते.

लाल किताबनुसार, नाबालिग टेवा असलेल्या जातकावर वयाच्या बारा वर्षापर्यंत दरवर्षी प्रत्येकीएकेक ग्रहाचा अंमल खालीलप्रमाणे होत असतो. जीवनावर पडणाऱ्या दुषित प्रभावाला कमी करण्याकरिता संबंधित भावात स्थित असलेल्या ग्रहांचे उपाय करायला हवेत.

(1) वयाच्या पहिल्या वर्षी सप्तमस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(2) वयाच्या दुसऱ्या वर्षी चतुर्थस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(3) वयाच्या तिसऱ्या वर्षी नवमस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(4) वयाच्या चौथ्या वर्षी दशमस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(5) वयाच्या पाचव्या वर्षी एकादशस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(6) वयाच्या सहाव्या वर्षी तृतीयस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(7) वयाच्या सातव्या वर्षी द्वितीयस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(8) वयाच्या आठव्या वर्षी पंचमस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(9) वयाच्या नवव्या वर्षी षष्ठस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(10) वयाच्या दहाव्या वर्षी द्वादशस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(11) वयाच्या अकराव्या वर्षी लग्नस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.
(12) वयाच्या बाराव्या वर्षी अष्टमस्थ ग्रहाचा अंमल असतो.

निष्कर्ष : ही कुंडली नाबालिग (टेवा) नाही.

लाल किताबनुसार ऋण आणि त्यांचे उपाय

आपल्या कुंडलीत कोणत्याही प्रकारचे ऋण लागू होत नाही.

Printed by - Mindsutra Software Technologies

लाल किताबमधील वर्जित आणि अवर्जित उपाय

(1) आपल्या कुंडलीत शुक्र नवमस्थ आहे. लाल किताबनुसार गरीब किंवा अनाथ विद्यार्थ्यांना शैक्षणीक शुल्क–साहित्याचे मोफत वाटप करणे अशी मदत करणे आपल्याकरिता वर्जित आहे. असे केल्यास अर्थिक दृष्ट्या अनिष्ट परिणाम होण्याची शक्यता आहे.

(2) आपल्या कुंडलीत रवि सप्तमस्थ किंवा अष्टमस्थ आहे. लाल किताबनुसार आपण सकाळी किंवा सायंकाळी (संधीप्रकाश) कोणतेही दान करू नये.

(3) आपल्या कुंडलीत बुध तृतीयस्थ, अष्टमस्थ किंवा द्वादशस्थ आहे. लाल किताबनुसार स्वगृहीमोठी पानं असलेली झाडे जसे मनीप्लांट इत्यादी ठेऊ नयेत याचा आपल्या आरोग्यावर अनिष्ट परिणाम संभवतो.

(4) आपल्या घराच्या शेवटी काळोखी (अंधार असलेली) खोली असेल जिथे दरवाजाशिवाय उजेड येण्याची शक्यता नसेल तर ती तशीच ठेवावी तिथे खिडकी काढू नये नसता आपल्या संततिवर त्याचा अनिष्ट परिणाम होऊ शकतो.

काही कारणास्तव अशा खोलीचे छत बदलावे लागले तर जुने छत काढण्यापूर्वीच त्या खोलीवरनवीन छत घालावे.

(5) घरातील मौल्यवान चीज–वस्तु जसे दागिने, रूपये पैसे ठेवण्याची तिजोरी, कपाट इत्यादी पूर्णपणे रिकामी कधीच ठेऊ नये.

(6) घरात थोडी का होईना जमीन अर्थात माती असलेली जागा अवश्य ठेवावी.

(7) दक्षिणाभिमुखी घरात वास्तव्य करू नये.

(8) खोटं बोलू नये.

(9) खोटी साक्ष देऊ नये.

(10) अपशब्द उच्चारू नयेत.

(11) कुणालाही शिव्या देऊ नयेत.

(12) क्रूरपणा करू नये.

(13) परमेश्वरावर प्रगाढ श्रद्धा ठेवावी.

(14) देवी–देवतांची उपासना श्रद्धापूर्वक

करावी.

(15) मासे–मांसाहार करू नये.

(16) मद्यप्राशन करू नये.

(17) कपडे नीटनेटके असावेत.

(18) दातांची नीगा–स्वच्छता राखावी.

(19) दातांची नीगा–स्वच्छता राखावी.

(20) स्पअम पद ं रवपदज उिपसलण

(21) संयुक्त कुटुंबात राहावे. विभक्त राहू नये.

(22) सासरकडील मंडळींच्या नातेसंबंधातील गोडवा प्रयत्नपूर्वक जपावा.

(23) लेकीबाळींची पूजा करावी. त्यांना हिरवे वस्त्र, उत्तम भोजनादी देऊन प्रसन्न ठेवावे.

(24) कन्या–भगिनींना गोड पदार्थ भेट द्यावेत.

(25) मातेप्रमाणेच पत्नीचीही उत्तम देखभाल करावी.

(26) भावजयीची (ज्येष्ठ बंधूची पत्नी) सेवा करावी.

(27) कुटुंबीयांचे भरण–पोषण व्यवस्थितपणे करावे.

(28) कुणाकडूनही मोफत काही स्विकारू नये.

(29) निःसंतान व्यक्तिची संपत्ती घेऊ नये.

(30) मोठ्यांचा चरणस्पर्श करून आशिर्वाद घ्यावा.

(31) शक्यतोवर दक्षिणमुखी घरात वास्तव्य करू नये.

(32) घराच्या छताला फटी नसाव्यात.

(33) घरात थोडी तरी माती उघडी

असावी.

(34) अपंगांना भोजनादी मदत करावी.

(35) शेजार–पाजारच्या असहाय विधवांना मदत करावी.

(36) मुकी जनावरे जसे गाय, कुत्रा, कावळा, वानरं यांना अन्न द्यावे.

(37) तिरळ्या आणि गंजा व्यक्तिंपासून सावध राहावे.

Now-17/12/2021-16:25:17

लाल–किताब वर्षफल

(17:12:2021 - 17:12:2022)

Mindsutra Software Technologies
www.mindsutra.com
New Delhi

Contact - 9818193410,9350247058

लाल किताब वर्षफल

वर्षफल कुंडली -१

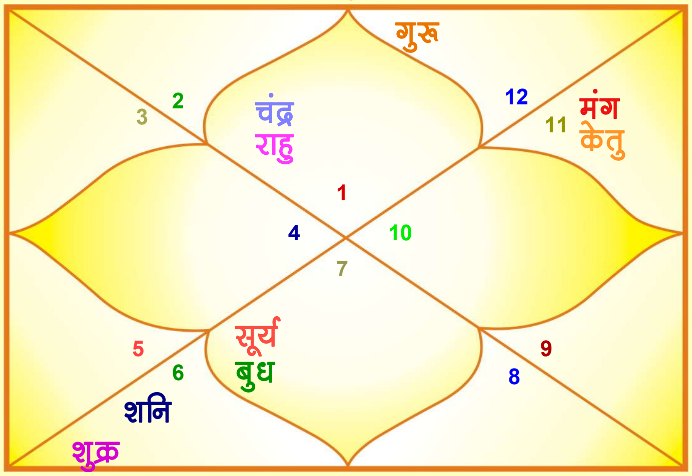

17:12:2021 -- 16:12:2022

लग्न कुंडली (टेवा)

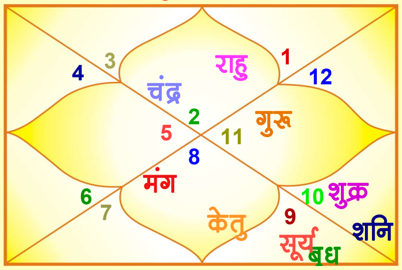

चंद्र कुंडली (लाल किताब)

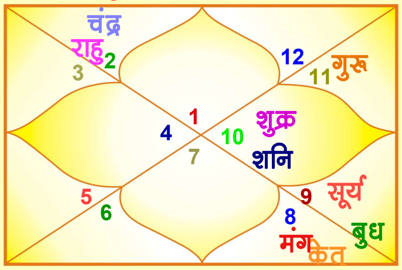

लाल किताबनुसार वर्षफलात ग्रहस्थिती

ग्रह	भावस्थ	प्रभाव	पक्के घर	नशीब जागविणारा	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	निद्रिस्त	विशेष
रवी (अशुभ)	सप्तम्	ग्रह						हॉ	अशुभ भावात
चंद्र (अशुभ)	लग्न	राशी				हॉ			शुभ भावात
मंगळ (अशुभ)	एकादश	राशी						हॉ	शुभ भावात
बुध	सप्तम्	ग्रह	हॉ						शुभ भावात
गुरु (अशुभ)	द्वादश	ग्रह						हॉ	शुभ भावात
शुक्र (अशुभ)	षष्टम्	ग्रह							अशुभ भावात
शनी (अशुभ)	षष्टम्	राशी							अशुभ भावात
राहू	लग्न	राशी					हॉ		अशुभ भावात
केतु (अशुभ)	एकादश	राशी						हॉ	अशुभ भावात

लाल किताबनुसार वर्षफलात भावांची (स्थान) स्थिती

भाव क्र.	भाव ग्रह	स्वामी	पक्के घर	निद्रिस्त	उच्च	नीच	नशीब जागविणारा
1	चंद्र, राहू	मंगळ	रवी		रवी	शनी	मंगळ
2		शुक्र	गुरु		चंद्र		चंद्र
3		बुध	मंगळ	हॉ	राहू	केतु	बुध
4		चंद्र	चंद्र	हॉ	गुरु	मंगळ	चंद्र
5		रवी	गुरु	हॉ			रवी
6	शुक्र, शनी	बुध	बुध,केतु		बुध,राहू	शुक्र,केतु	केतु
7	रवी, बुध	शुक्र	शुक्र,बुध		शनी		शुक्र
8		मंगळ	मंगळ,शनी	हॉ		चंद्र	चंद्र
9		गुरु	गुरु	हॉ	केतु	राहू	शनी
10		शनी	शनी	हॉ	मंगळ	गुरु	शनी
11	मंगळ, केतु	शनी	शनी				गुरु
12	गुरु	गुरु	गुरु		शुक्र,केतु	बुध,राहू	राहू

Printed by - Mindsutra Software Technologies

लाल किताबनुसार वर्षफल

वर्ष पूर्ण – 1

(17:12:2021 - 16:12:2022)

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सूर्य ग्रह अशुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सूर्य ग्रहांच्या अशुभतेची कारणे .

आपकी वर्षफल कुण्डली में, रवी सप्तम स्थानी आहे आणि गुरु, शुक्र आणि बुध किंवा शनी किंवा राहू किंवा शनी किंवा केतु एकादश स्थानी आहे.

वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ रवी शत्रूठाह युक्त किंवा दृष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणास संतंतीसंबंधी चिंता राहील. घरात अग्निकांड संभवते. पत्नीचे आरोग्य बिघडेल व त्यामुळे तुम्हाला काळजी वाटेल. अनाठायीउद्भवलेल्या अर्थिक खर्चामुळे आपले मानसिक संतुलन बिघडेल. जर आपण भागीदारीत व्यवसाय करीत असाल तर आपणास नुकसान होण्याची शक्यता आहे.

वर्षफलातील सूर्य चे उपाय

सूर्य च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालील उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) कोणतेही कार्य गोंड पदार्थ खाऊन आणि पाणी पिऊन सुरु करावे.
(2) अग्निला आहूती द्यावी.
(3) मीठ कमी प्रमाणात खावे.
(4) जमीनीत तांब्याचे सात चौकोनी तुकडे गाडावेत.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चन्द्र ग्रह अशुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चन्द्र ग्रहांच्या अशुभतेची कारणे .

आपकी वर्षफल कुण्डली में, चंद्र प्रथम स्थानी आहे आणि रवी किंवा शनी षष्ट स्थानी आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत लग्नस्थ चंद्र शत्रूठाह युक्त किंवा दृष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपण आळशी व कामचुकार प्रवृत्तीचे झाल्याने आपली कार्ये अपूर्ण राहतील. आपल्या मनात निराशा येऊन आपण वैफल्यग्रस्त होण्याची शक्यता आहे. आपल्यापेक्षा निम्न आधिकारावर असलेल्या स्त्रियांशी अनैतिक संबंध प्रस्थापित होऊ शकतात. आपली पत्नी किंवा भगीनीचे आरोग्य चिंताजनक होऊ शकते. संपूर्ण वर्षभर आपणास सर्दीचा त्रास होईल. जमिनीच्या वादविवादात आपणास त्रास संभवतो.

वर्षफलातील चन्द्र चे उपाय

चन्द्र च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालील उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) दूध आणि दूधापासून बनलेल्या वस्तुंचा व्यवसाय करु नये.
(2) आपल्या आईची सेवा करावी.
(3) चांदीच्या भांड्यांचा वापर करावा.
(4) नदी ओलांडताना त्यात पैसा टाकावा.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगल ग्रह अशुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगल ग्रहांच्या अशुभतेची कारणे .

आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगळ एकादश स्थानी आहे आणि षष्ट स्थानी इतर ग्रह आहे.
आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगळ एकादश स्थानी आहे आणि तृतिय स्थान रिकामे आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ मंगळ शत्रूठाह युक्त किंवा दृष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपल्या भावांबरोबर भांडण-तंटे किंवा मतभेद होतील. आपले लोकच आपले शत्रू बनतील. आपण संसारी भोग व वासनेच्या आहारी जाल. आपली संतती आपल्या धनाचे नुकसान करतील. धन संपत्तीच्या वादावरुन कुटुंबातील व्यक्तींबरोबर आपले मतभेद होतील.

वर्षफलातील मंगल चे उपाय

मंगल च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालीलउपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) मातीच्या भांड्यात मध किंवा कुंकु भरुन ठेवावे.
(2) आपली पूर्वजांची संपत्ती विकू नये.
(3) आपल्या पुत्राच्या वाढदिवसाच्या दिवशी आपल्या मेहूण्याला आणि भाच्याला भेटवस्तु द्यावी.
(4) आपल्या बहिणीची आणि भाऊजींची सेवा करावी.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह शुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ बुध शुभ आहे. लाल किताब नुसार यावर्षी जोडीदार किंवा इतर स्त्रीयांसंबंधिच्या कार्यात मोठी धनप्राप्ती होईल. लाकूड इत्यादिच्या व्यवसायापासून मोठी अर्थिक आवक होईल. परदेशी प्रवासातून किंवा परदेशी संबंधातूनही धनप्राप्ती संभवते. कुटुंबातही आपणास मान-प्रतिष्ठा मिळेल. एकंदरीत स्त्रीयांपासून आपणास यावर्षी सहकार्य व मदत मिळेल.

वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुध च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालील उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) कोणत्याही कार्यास सुरुवात करण्यापूर्वी गोड खावे.
(2) अंगठीमध्ये हीरा जडवून घातल्यास लाभदायक ठरेल.
(3) आपल्या घरात हिरवे गवत लावावे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरू ग्रह अशुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरू ग्रहांच्या अशुभतेची कारणे .

आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु द्वादश स्थानी आहे आणि इतर ग्रह सप्तम स्थानी आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वादशस्थ गुरु शत्रूठाह युक्त किंवा दृष्ट आहे. लाल किताब नुसार धर्म कर्माच्या कार्यात आपण जराही लक्ष घालणार नाही व त्यामुळे आपला मानसिक तणाव वाढेल. यावर्षी आपले वडिल आणि आजोबांशी मतभेद होतील. अंदाज चुकल्यामुळे आर्थिक नुकसान सोसावे लागेल. अनाठायी खर्च टाळावेत.

वर्षफलातील गुरू चे उपाय

गुरू च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालील उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) पिंपळाच्या वृक्षाची सेवा करावी.
(2) केशराचा टिळा लावावा.
(3) इतरांना धोका देऊ नये.
(4) गळ्यात माळ इत्यादि घालू नये.
(5) आपले नाक स्वच्छ ठेवावे.
(6) साधु संतांची आणि वयस्कर व्यक्तींची सेवा करावी.

Printed by - Mindsutra Software Technologies

आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह अशुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रहांच्या अशुभतेची कारणे .

आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र षष्ट स्थानी आहे आणि प्रथम स्थानी इतर ग्रह आहे.
आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र षष्ट स्थानी आहे आणि मंगळ आणि गुरु शिवाय कोणता तरी ग्रह षष्ट किंवा सप्तम स्थानी आहे.
आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र षष्ट स्थानी आहे आणि गुरु आणि रवी सप्तम स्थानापासून द्वादश स्थानाच्या मध्ये आहे.
आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र षष्ट स्थानी आहे आणि राहू द्वितीय स्थानी आहे किंवा द्वितीय स्थान रिकामे आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ शुक्र शत्रूठाह युक्त किंवा दृष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपले जोडीदाराबरोबरचे संबंध कटु असतील व जोडीदाराला पाय किंवा टाचेचे दुखणे असेल. आपल्या जोडीदाराला गुप्त रोग होण्याचीही शक्यता आहे. स्त्री बरोबर वाद विवादामुळे आपले आर्थिक नुकसान होईल. यावर्षी प्रेम संबंधात मित्राकडून विश्वासघात होण्याची शक्यता आहे.

वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्र च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालील उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) आपल्या पत्नीस अनवानी पावलांनी चालू देऊ नये.
(2) स्त्रीयांचा आदर करावा.
(3) भरीव चांदी आपल्याजवळ ठेवावी.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रहांच्या अशुभतेची कारणे .

आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनी षष्ट स्थानी आहे आणि प्रथम स्थानी इतर ग्रह आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ शनी शत्रूठाह युक्त किंवा दृष्ट आहे. लाल किताब नुसार यावर्षी आपण पोर्णिमेपासून कोणत्याही शुभ कार्यास सुरुवात करु नये. आपल्या अहंकारात वृद्धी होईल त्यामुळे जवळच्या व्यक्तींबरोबर आपले संबंध बिघडू शकतात. आपण कोणतीही कातडी वस्तु दानात किंवा मोफत घेऊ नये. आपल्या परीवारातील एखाद्या सदस्यास मूत्रपिंड विकार होण्याची शक्यता आहे. कोर्टाच्या कामकाजात आपला पक्ष कमजोर पडेल. अकस्मितरित्या आपण जखमी होण्याची शक्यता आहे.

वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनि च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालील उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) मातीच्या भांड्यात मोहरीचे तेल ठेऊन निर्जन स्थळी गाडावे.
(2) चामड्याच्या वस्तुंची खरेदी विक्री करु नये.
(3) काळा कुत्रा पाळावा.
(4) सहा नारळ वाहत्या पाण्यात प्रवाहीत करावेत.
(5) लोखंडाच्या वस्तु खरेदी करु नये.
(6) आपला बूट चोरी होऊ देऊ नये.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह शुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत लग्नस्थ राहू शुभ आहे. लाल किताब नुसार यावर्षी आपली मैत्री प्रतिभावंत व्यक्तींबरोबर होईल त्यामुळे त्याचा आपणास लाभ होईल. आपल्या आजोळची स्थितीही ठीक असेल. आपणास लाच-लुचपती पासून दूर राहीले पाहीजे आणि मनात अहंकाराला अजिबात थारा देऊ नका. धन संपत्तीच्या बाबतीतही हे वर्ष उत्तम राहील.

वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहु च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालील उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) गहू, गुळ आणि तांब्याचे दान एखाद्या धार्मिक स्थळी करावे.
(2) खाण्या पिण्याच्या बाबतीत सावधगिरी बाळगावी.
(3) वीजेची उपकरणे कोणाकडूनही मोफत घेऊ नये.
(4) स्नान करण्यापूर्वी आपल्या शरीराला दूधाने मालीश करावी.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह अशुभ स्थितीत आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रहांच्या अशुभतेची कारणे .

आपकी वर्षफल कुण्डली में, केतु एकादश स्थानी आहे आणि षष्ट स्थानी इतर ग्रह आहे.

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ केतू शत्रूठाह युक्त किंवा दृष्ट आहे. लाल किताब नुसार यावर्षी आपल्याघरी पाहुण्यांची वर्दळ राहील. ज्यामुळे आपली आर्थिक स्थिती खालावेल. जर आपण एखाद्या शुभ कार्यास सुरुवात करण्याचे ठरविले तर मागे वळून पाहणार नाही. आपण आपल्या संततीची व्यवस्थीत देखभालकराल. आपल्या भूतकाळातील गोष्टी इतरांना काही सांगू नयेत.

वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतु च्या शुभ फलात वृध्दी आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खालील उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे.

(1) आपल्या पत्नीने रात्री आपल्या उशीखाली मूळा ठेवावा व सकाळी एखाद्या धार्मिक स्थळी दान करावा.
(2) काळा कुत्रा पाळावा.
(3) सासरकडून काळा पांढरा तवा मागून घ्यावा आणि आपल्या घरात

ठेवावा.

Printed by - Mindsutra Software Technologies